रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99 REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 197] नई दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त 2, 2002/श्रावण 11, 1924
No. 197] NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 2, 2002/SRAVANA 11, 1924

CENTRAL SECRETARIAT LIBRARY GOVERNMENT OF INDIA

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 2 अगस्त, 2002

निधन सूचना

सं. 3/3/2002-पब्लिक.—भारत के उप राष्ट्रपति, श्री कृष्ण कान्त का 27 जुलाई, 2002 को प्रात: नई दिल्ली में देहावसान हो गया। श्री कृष्ण कान्त के निधन से देश ने एक ऐसे सच्चे गांधीवादी विचारक को खो दिया है जो हमेशा लोकतांत्रिक मूल्यों के समर्थक रहे। श्री कृष्ण कान्त एक योग्य राजनीतिज्ञ, एक अनुभवी सांसद तथा सच्चे मानवतावादी थे।

2. श्री कृष्ण कान्त का जन्म 28 फरवरी, 1927 को पंजाब में अमृतसर की तहसील तरन तारन के गांव कोट मोहम्मद खान में स्वतंत्रता सेनानियों के एक परिवार में हुआ। उन्होंने बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से एम.एससी. की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली में एक वैज्ञानिक के रूप में कार्य किया।

3. श्री कृष्ण कान्त ने स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय रूप से भाग लिया और ''भारत छोड़ो आन्दोलन'' के दौरान उन्हें दो वर्ष के लिए जेल जाना पड़ा। वे एक जाने-माने छात्र नेता थे। वे 1966 से 1977 तक राज्य सभा के सदस्य रहे और बाद में 1977 से 1980 तक लोक सभा के सदस्य रहे।

4. वे एक बहुविध लेखक थे और उन्होंने प्रमुख दैनिक समाचार-पत्रों तथा पत्रिकाओं में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय राजनीति, संस्कृति तथा भारत की वैज्ञानिक, रक्षा एवं विदेश नीतियों से संबंधित विषयों पर अनेक लेख लिखे। वे ''साइंस इन पार्लियामेंट'' नामक जर्नल के संपादक भी रहे।

5. श्री कृष्ण कान्त भारतीय संसदीय एवं वैज्ञानिक समिति के सचिव रहे और पंडित जवाहर लाल नेहरू इस समिति के अध्यक्ष थे। वे जुलाई 1991 से ''सर्वेन्ट्स ऑफ द पीपुल्स सोसाइटी'' के अध्यक्ष रहे। वे एक जाने-माने शिक्षा शास्त्री थे और दिल्ली विश्वविद्यालय, पंजाब विश्वविद्यालय, पांडिचेरी विश्वविद्यालय तथा नार्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति रहे।

6. वे फरवरी, 1990 से अगस्त, 1997 तक आंध्र प्रदेश के राज्यपाल रहे। उन्होंने अगस्त, 1997 में भारत के उप राष्ट्रपति के पद का कार्यभार ग्रहण किया। वे एक समर्पित नेता, सामाजिक कार्यकर्ता और विद्वान व्यक्ति थे जो मूल्य-आधारित राजनीति के पक्षधर रहे।

7. श्री कृष्ण कान्त अपने पीछे अपनी माता जी, पत्नी, दो पुत्र और एक पुत्री छोड़ गए हैं।

कमल पाण्डे, सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 2nd August 2002

OBITUARY

No. 3/3/2002-Public.—Shri Krishan Kant, Vice-President of India, passed away in the morning of 27th July, 2002 at New Delhi. The death of Shri Krishan Kant has deprived the country of a true Gandhian who always stood for democratic values. Shri Krishan Kant was an able Statesman, a seasoned Parliamentarian and humanist to the core.

2 Shri Krishan Kant was born on February 28, 1927 at village Kot Mohammed Khan, Tehsil-Taran Taran, Amritsar, Punjab in a family of freedom fighters. He obtained his M.Sc. degree from the Banaras Hindu University. He worked as a Scientist with the Council of Scientific and Industrial Research, New Delhi

3. Shri Krishan Kant took active part in the freedom struggle and was interned for two years during the Quit India Movement. He was a well known students leader. He was a member of the Rajya Sabha from 1966 to 1977 and subsequently a Member of the Lok Sabha from 1977 to 1980.

4. He was a prolific writer and contributed profusely to prominent dailies and periodicals on issues relating to national and international politics, culture and India's scientific, defence and foreign policies. He was also Editor of the Journal "Science in Parliament".

5. Shri Krishan Kant was the Secretary of the Indian Parliamentary and Scientific Committee of which Pandit Jawahar Lal Nehru was the President. He was the President of the Servants of the Peoples Society since July, 1991 A well known educationist, he was the Chancellor of the Delhi University, Punjab University, Pondicherry University and North Eastern Hill University.

6. He was Governor of Andhra Pradesh from February, 1990 to August, 1997. He assumed office of the Vice-President of India in August, 1997. He was a dedicated leader and social activist and an erudite person who stood for value-based politics.

7. Shri Krishan Kant is survived by his mother, wife, two sons and a daughter.

KAMAL PANDE, Secy.

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054